भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 189

उत्तर देने की तारीख 01 दिसंबर, 2025
10 अग्रहायण, 1947 (शक)

चंदौली के जनजातीय क्षेत्रों में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

189. श्री वीरेन्द्र सिंहः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का जनजातीय बहुल क्षेत्रों में ऐसी सुविधाओं की कमी को देखते हुए नये खेल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के जनजातीय क्षेत्र में तीरंदाजी, फुटबॉल, कबड्डी इत्यादि खेलों के लिए खेल मैदान/स्टेडियम बनाने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो इस शीर्ष के अंतर्गत आवंटित की जा रही निधि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण जनजातीय बच्चों को राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण देने हेतु जनजातीय इलाकों में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और तीरंदाज़ी, फुटबॉल, कबड्डी आदि के लिए खेल मैदान/स्टेडियम के निर्माण सहित खेलों के विकास की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय उत्तर प्रदेश राज्य के जनजाति बहुल इलाकों सहित देश भर में खेलों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित करता है:

i. खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
ii. राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता;

iii. अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार ;
iv. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;
v. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
vi. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
vii. राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और
viii. भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

खेलो इंडिया स्कीम, राष्ट्रीय खेल विकास निधि और भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल प्रोत्साहन स्कीमों के तहत, जनजाति बहुल क्षेत्रों सहित देश भर में विभिन्न खेल प्रशिक्षण केंद्रों और खेल अकादमियों को सहायता दी जाती है, ताकि जनजातीय बच्चों को राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण दिया जा सके।

(ग) से (ङ): इस मंत्रालय में उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के जनजातीय इलाके में तीरंदाजी, फुटबॉल, कबड्डी आदि खेलों के लिए खेल मैदान/स्टेडियम बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****